Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 19, Issue No. 4, July-2022, ISSN 2230-7540

एकल बाल परिवारों के किशोरों पर माता-पिता के प्रभाव का अध्ययन

Rajesh Kumar Yadav[1]*, Dr. Amit Kumar[2]

[1] Research Scholar, OPJS University

[2] Associate Professor, Department of sociology, OPJS University

सार-पहचान के किशोर कार्य के हिस्से के रूप में प्रस्तावित माता-पिता-किशोर संघर्ष समस्या का एक और पहलू प्रस्तुत करता है। दोस्तों, साथियों के साथ-साथ संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित जोखिमों के संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। जिस एकल बच्चे के परिवार में इसका प्रबंधन करता है, दोस्तों के साथ संबंध स्थापित करता है और संचार प्रौद्योगिकी रूपों का उपयोग करता है, वह मुख्य समस्या का विश्लेषण करता है। इन तीन जोड़े के साथ बातचीत की नियमित तरीके से एकल बाल परिवार में वेश के व्यवहार प्रकट करने की उम्मीद करेंगे।

कीवर्ड - एकल बाल परिवार, किशोर, माता-पिता, प्रभाव

----------X----------

प्रस्तावना

"परिवार एक ऐसा समूह है जो पूर्ण और स्थायी प्रकार के यौन संबंधों पर आधारित है और परिवार का कार्य प्रजनन और बाल पालन अभ्यास है।" परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे की मदद करते हैं, प्यार करते हैं और स्नेह दिखाते हैं। माता और पिता बच्चे को पालते हैं; शिक्षा दें जो उसके जीवन को दिशा प्रदान करे।

पिछले तीस सालों से लोग परिवार नियोजन के प्रति जागरूक हैं। तो जनसंख्या के विस्फोट की जाँच की जाती है। वर्तमान स्थिति में दो या दो से अधिक बच्चों को पालना और पालना आसान नहीं है। पति-पत्नी अपने करियर को महत्व देते हैं, इसलिए पुरानी अवधारणा यानी "वंशाचार दिवा" आदि गायब हो रहे हैं और "छोटा परिवार बड़ा परिवार है" ऐसी अवधारणाएं उभर रही हैं। नैचुरल डिलीवरी की जगह सिजेरियन डिलीवरी के मामले बढ़ रहे हैं। स्वाभाविक रूप से यह उन माता-पिता के बीच गर्भावस्था के डर का मामला है जो एकल बच्चे के परिवार में विश्वास करते हैं। अधिकांश विकसित देशों में जन्म दर में तेजी से गिरावट के साथ और रिकॉर्ड संख्या में महिलाओं ने बच्चे को रोकने का विकल्प चुना है, अनुभवजन्य साक्ष्यों से पता चलता है कि "केवल" खराब मिस्फीट या मिथ्याचार के लिए नियत नहीं हैं, दुनिया भर में स्वागत योग्य खबर है।

कार्यप्रणाली

- **अध्ययन का गुणात्मक आयाम**

एकल बाल परिवार में किशोरों के व्यवहार पैटर्न का विश्लेषण माता-पिता-बच्चे की बातचीत से जुड़े पहलुओं की जांच की मांग करता है। इस तरह की बातचीत का व्यापक और गहन विवरण प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म स्तर का विवरण उपयुक्त पाया गया। इसे सुगम बनाने के लिए अध्ययन में गुणात्मक विधि (केस स्टडी) का भी प्रयोग किया गया।

- **अध्ययन का तरीका**

अनुसंधान का आधार अध्ययन के सैद्धांतिक ढांचे पर बनाया गया है। अनुसंधान के ज्ञानशास्त्रीय आधार में आगमनात्मक और निगमनात्मक दोनों दृष्टिकोण शामिल हैं। इस अध्ययन में मिश्रित पद्धति का पालन किया गया जिसमें मजबूत परिणामों के लिए पूर्ण और व्यापक विवरण प्राप्त करने के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक दृष्टिकोण, विधियों और डेटा दोनों को मिलाया गया।

www.ignited.in

मात्रात्मक पद्धति का उपयोग सामाजिक-जनसांख्यिकीय डेटा के संग्रह और विश्लेषण के साथ-साथ एकल बच्चे के व्यवहार के विशिष्ट पैटर्न के लिए किया गया था जबकि परिवार के भीतर और बाहर एकल बच्चे की बातचीत और व्यवहार पैटर्न की गतिशीलता का गहन विवरण एकत्र किया जाता है और गुणात्मक विधियों जैसे कि अवलोकन, खुले प्रश्नों की व्याख्या के माध्यम से विश्लेषण किया जाता है।

- **अनुसन्धान रेखा - चित्र**

अध्ययन में वर्णनात्मक सह अन्वेषणात्मक डिजाइन का प्रयोग किया गया।

- **अध्ययन के ब्रह्मांड**

11-18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी किशोर जो चयनित में एकल बाल परिवारों के सदस्य हैं , इस अध्ययन के ब्रह्मांड का गठन करेंगे।

- **नमूना**

अध्ययन के नमूने में राजस्थान के तीनों जिलों से लगभग 300 किशोर एकल बच्चों का चयन किया गया । परिवार में माता-पिता दोनों से भी डेटा एकत्र किया गया।

- **नमूना डिजाइन**

अध्ययन में मल्टी स्टेज सैंपलिंग डिजाइन को अपनाया गया ।

- **डेटा संग्रह के स्रोत**

इस अध्ययन में आँकड़ों के द्वितीयक एवं प्राथमिक दोनों स्रोतों का उपयोग किया गया है। अध्ययन के लिए द्वितीयक आंकड़े जनगणना रिपोर्टों, लेखों, पत्रिकाओं, पुस्तकों, समाचार पत्रों, पूर्व शोध अध्ययनों की रिपोर्टों, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रकाशनों की रिपोर्टों और वेबसाइटों से एकत्र किए गए थे। प्राथमिक डेटा साक्षात्कार अनुसूची, और अवलोकन पद्धति के माध्यम से एकत्र किया गया था।

- **उपकरण और डेटा संग्रह के तरीके**

चूंकि अध्ययन में मिश्रित पद्धति का पालन किया गया है, दोनों मात्रात्मक और गुणात्मक दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए, अध्ययन में इन दोनों विधियों के लिए उपयुक्त उपकरणों का उपयोग किया गया था।

- **प्री-टेस्ट**

साक्षात्कार अनुसूची को 20 उत्तरदाताओं के बीच पूर्व-परीक्षण किया गया था, जिसमें कोट्टायम जिले से अंतिम नमूने का लघु प्रतिनिधित्व शामिल था क्योंकि यह गहन डेटा संग्रह का 'ड्रेस रिहर्सल' था। इसने प्रासंगिक बदलाव लाने और अधिक वैज्ञानिक, स्पष्ट और व्यवस्थित तरीके से साक्षात्कार कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में मदद की।

- **अध्ययन के चर**

इस अध्ययन में स्वतंत्र और आश्रित चर दोनों की पहचान की गई। स्वतंत्र चर बच्चे का लिंग, बच्चे की उम्र और माता-पिता का लिंग हैं। आश्रित चर माता-पिता के साथ बिताया गया समय, माता-पिता के साथ संघर्ष की घटना, अनुशासनात्मक कार्रवाई करने वाले व्यक्ति, शारीरिक विकास के बारे में जानकारी प्राप्त करने की संभावना, सहकर्मी समूह के अनुशीलन के प्रति झुकाव, दोस्तों को व्यक्तिगत मामलों का खुलासा, इंटरनेट के लिए बिताया गया समय, और मोबाइल फोन में बिताया गया समय।

- **डेटा विश्लेषण और व्याख्या**

सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकीय पैकेज (एसपीएसएस-संस्करण 17.0) का उपयोग करते हुए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद से अनुसूची में बंद प्रश्नों के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा को संपादित, कोडित और विश्लेषण किया गया है। ची-स्क्वायर परीक्षण का उपयोग करते हुए क्रॉस सारणीकरण और द्विचर विश्लेषण किया गया है।

डेटा विश्लेषण

- **माता-पिता का प्रभाव**

प्रमुख जनसांख्यिकीय परिवर्तन, जिनके कारण परिवार में संरचनात्मक परिवर्तन हुए, आधुनिक परिवार में माता-पिता-बच्चे के संबंधों को सुगम बनाने वाली संरचनात्मक स्थितियों को गंभीरता से प्रभावित नहीं करते हैं। माता-पिता और एकमात्र बच्चे के साथ एकल बच्चे वाले परिवार इस संबंध में अपेक्षाकृत बेरोज़गार क्षेत्र प्रस्तुत करते हैं।

तालिका 1: परिवार में सबसे अधिक देखभाल करने वाला व्यक्ति

www.ignited.in

लिंग	सबसे अधिक देखभाल करने वाला व्यक्ति	प्रतिशत
लड़के	पिता	11.8
	माता	48.2
	दोनों	39.1
	अन्य	.9
लड़कियाँ	कुल	100.0
	पिता	11.67
	माता	44.17
	दोनों	44.17
	कुल	100.0

46 % उत्तरदाताओं ने कहा कि परिवार में सबसे ज्यादा देखभाल करने वाली मां होती है। इसके करीब, उनमें से 42 % के लिए, पिता और मां दोनों समान रूप से देखभाल कर रहे थे। केवल 12 % लड़कों और लड़कियों ने पिता को परिवार में सबसे अधिक देखभाल करने वाले व्यक्ति के रूप में चुना।

तालिका 2: उम्र और माता-पिता द्वारा महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा

			माता-पिता द्वारा महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा			कुल
			हमेशा	कभी-कभी	कभी नहीं	
	11-12	बच्चे की उम्र के भीतर%	33.3%	55.6%	11.1%	100.0 %
		माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा के भीतर%	5.0%	10.0%	20.0%	7.8%
		% का कुल	2.6%	4.3%	.9%	7.8%
	13-14	बच्चे की उम्र के भीतर%	47.6%	52.4%	.0%	100.0 %
		माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा के भीतर%	16.7%	22.0%	.0%	18.3%
बच्चे की उम्र		% का कुल	8.7%	9.6%	.0%	18.3%
	15-16	बच्चे की उम्र के भीतर%	52.3%	40.9%	6.8%	100.0 %
		माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा के भीतर%	38.3%	36.0%	60.0%	38.3%
		% का कुल	20.0%	15.7%	2.6%	38.3%
	17-18	बच्चे की उम्र के भीतर%	58.5%	39.0%	2.4%	100.0 %
		माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा के भीतर%	40.0%	32.0%	20.0%	35.7%
		% का कुल	20.9%	13.9%	.9%	35.7%
		बच्चे की उम्र के भीतर%	52.2%	43.5%	4.3%	100.0 %
			100.0%	100.0%	100.0%	100.0 %
		माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण मामलों की चर्चा के भीतर%				
		% का कुल	52.2%	43.5%	4.3%	100.0 %

तालिका 3: ची-स्क्वायर टेस्ट

	मूल्य	df	P- मूल्य
रैखिक-दर-रैखिक संघ	3.908	1	.048

उपरोक्त तालिका से पता चलता है कि 52.2% उत्तरदाताओं के माता-पिता हमेशा उनके साथ अपने परिवार के महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करते थे। 43.5% उत्तरदाताओं ने कभी-कभी यह अभ्यास किया था और केवल 4.3% उत्तरदाताओं को परिवार में यह अनुभव नहीं था। फ्रीडम1 की डिग्री के साथ पी-वैल्यू 0.048 पर प्राप्त ची-स्क्वायर वैल्यू 3.908 है। चूँकि p-मान α से कम है, इसलिए चर महत्वपूर्ण रूप से संबद्ध पाए जाते हैं। इस प्रकार आगे के विश्लेषण से पता चला कि उत्तरदाताओं की संख्या जिन्होंने अपने माता-पिता के साथ परिवार के महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की घटना की सूचना दी, उम्र के साथ बढ़ी।

अपने माता-पिता के साथ भविष्य के करियर के संबंध में उत्तरदाताओं के समझौते के विश्लेषण से पता चला कि आधे से अधिक (55%) लड़के और अधिकांश (85%)

www.ignited.in

लड़कियां अपने माता-पिता के अनुरूप थीं। बाकी की अपनी आकांक्षाएं थीं। पोशाक के चयन के संबंध में 69 प्रतिशत लड़के और 87 प्रतिशत लड़कियां अपने माता-पिता के साथ पोशाक का चयन करती थीं। अन्य 10 प्रतिशत ने दोस्तों के साथ अपनी पोशाक का चयन किया। 9 फीसदी लड़कों और 3 फीसदी लड़कियों ने अकेले अपनी ड्रेस चुनी। यह अकेले माता-पिता थे जिन्होंने 7 प्रतिशत लड़कों और 3 प्रतिशत लड़कियों के मामले में पोशाक का चयन किया।

बच्चों के शैक्षणिक मामलों में माता-पिता की सक्रिय भागीदारी को आधुनिक छोटे परिवार की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक माना गया है। इस अध्ययन में, अधिकांश (71%) लड़कों और लगभग आधी (45%) लड़कियों ने अपनी माताओं को अध्ययन के मामलों के बारे में सबसे अधिक चिंतित व्यक्ति के रूप में पाया। 22 प्रतिशत लड़कों और 42 प्रतिशत लड़कियों के मामले में माता और पिता दोनों समान रूप से चिंतित हैं। कुल 7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पिता का उल्लेख किया और 3 प्रतिशत के परिवार में ऐसा कोई नहीं था जिसे उनकी पढ़ाई की चिंता हो।

उत्तरदाताओं के अध्ययन में माता-पिता द्वारा सहायता की प्रकृति के विश्लेषण से पता चला कि उनमें से आधे से अधिक (62% पुरुष और 52% महिलाएं) ने नैतिक समर्थन के बारे में उल्लेख किया। अध्ययन के समय कुल 7 प्रतिशत को बौद्धिक सहायता मिली और 21 प्रतिशत को उनके माता-पिता की शारीरिक उपस्थिति थी। 5 प्रतिशत पुरुषों को ऐसी कोई सहायता नहीं मिल रही थी, जबकि 13 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माता-पिता से हर तरह का समर्थन प्राप्त करने की सूचना दी है।

इसके अलावा, यह पता चला है कि माता-पिता दोनों लड़कों और लड़कियों के बहुमत (दोनों मामलों में 60%) के लिए सलाह देते थे। लड़कों में 11 फीसदी ने केवल पिता से सलाह ली और 22 फीसदी ने मां से सलाह ली। लड़कियों में क्रमशः 7 प्रतिशत और 32 प्रतिशत ने पिता और माता की सलाह प्राप्त की। 4 प्रतिशत उत्तरदाताओं को न तो पिता द्वारा और न ही माता द्वारा सलाह दी गई थी।

तालिका 4: गलतियों के लिए लिंग और शारीरिक दंड

			छोटी/बड़ी गलतियों के लिए सजा				
			नहीं	पिता	माता	दोनों	कुल
	लड़के	लिंग के भीतर%	38.2%	9.1%	26.4%	26.4%	100.0%
		आपकी छोटी/बड़ी गलतियों के लिए सजा के भीतर%	44.2%	66.7%	43.3%	54.7%	47.8%
		% का कुल	18.3%	4.3%	12.6%	12.6%	47.8%
लिंग	लड़कियाँ	लिंग के भीतर%	44.2%	4.2%	31.7%	20.0%	100.0%
		आपकी छोटी/बड़ी गलतियों के लिए सजा के भीतर%	55.8%	33.3%	56.7%	45.3%	52.2%
		% का कुल	23.0%	2.2%	16.5%	10.4%	52.2%
कुल		लिंग के भीतर%	41.3%	6.5%	29.1%	23.0%	100.0%
		आपकी छोटी/बड़ी गलतियों के लिए सजा के भीतर%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
		% का कुल	41.3%	6.5%	29.1%	23.0%	100.0%

तालिका 5: ची - स्क्वायर परीक्षण

	मूल्य	df	p- मूल्य
पियर्सन ची-स्क्वायर	4.194	3	.241

तालिका से स्पष्ट है कि 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं को माता-पिता द्वारा शारीरिक रूप से दण्डित नहीं किया गया। 32 फीसदी लड़कियां और 26 फीसदी लड़के ऐसे थे जिन्हें माताओं से सजा मिली। यहां , ची-स्क्वायर टेस्ट 5% स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है (पी-वैल्यू <0.05)।

- एकल संतान-स्वभाव

एकल बाल परिवार एक अनूठी संरचना होने के कारण इसके सदस्यों, विशेष रूप से बच्चे के सामान्य स्वभाव के लिए निहितार्थ हो सकते हैं।

उत्तरदाताओं द्वारा अक्सर घर पर महसूस की जाने वाली समस्या के विश्लेषण से पता चलता है कि **21 %** घर में ऊब और अकेलापन महसूस करते हैं ; **15** फीसदी ने

www.ignited.in

अकेलेपन का अनुभव किया जबकि **6** फीसदी ने सिर्फ बोरियत महसूस की। आधे से अधिक उत्तरदाताओं **(57%)** को कभी भी ऐसी कोई समस्या महसूस नहीं हुई। खाने की आदतों के संबंध में , **66** प्रतिशत लड़कों और **83 %** लड़कियों ने घर में अतिरिक्त भोजन नहीं होने की सूचना दी थी। अधिकांश उत्तरदाताओं **(76%** पुरुषों और **60%** महिलाओं**)** ने कहा कि वे अपने दैनिक जीवन में आने वाली स्थितिजन्य परिवर्तनों का काफी हद तक सामना कर सकते हैं। **18** प्रतिशत पुरुषों और **33 %** महिलाओं ने कहा कि वे कभी-कभी समायोजित कर सकता था। बाकी **(6%** पुरुष और **7%** महिलाएं**)** को यह असंभव लगा। दूसरा पहलू यह है कि **91** प्रतिशत लड़के और **97 %** लड़कियां अपने परिवार की भौतिक और भावनात्मक स्थितियों से पूरी तरह संतुष्ट थे। लड़कों में **8 %**ने पोशाक के संबंध में अपर्याप्तता का उल्लेख किया और **2 %**ने शिक्षा के संबंध में बाधाओं को महसूस किया। लड़कियों में **2 %** उत्तरदाताओं ने वित्तीय और भावनात्मक अभाव का सामना किया।

यह पूछे जाने पर कि क्या उत्तरदाताओं की यह भावना थी कि वे सुरक्षित हैं और उन्हें एक बच्चे के रूप में कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है , **95 %** लड़कों और **78 %** लड़कियों ने ऐसी किसी भी भावना की अनुपस्थिति की सूचना दी। इसके अलावा **64 %** पुरुषों और **67 %** महिलाओं ने यह नहीं सोचा कि वे एक बच्चे के रूप में अस्थायी या स्थायी रूप से कहीं और नहीं रह सकते।

तालिका 6: **एकल संतान की स्थिति के बारे में महसूस करना**

	लिंग	भावना	प्रतिशत
भाई बहन होना बेहतर है	लड़के	हमेशा	16.4
		कभी-कभी	48.2
		कभी नहीं	35.5
		कुल	100.0
	लड़कियाँ	हमेशा	34.2
		कभी-कभी	44.2
		कभी नहीं	21.7
		कुल	100.0
भावनात्मक मामलों के संबंध में एकल संतान होने से वंचित	लड़के	हमेशा	12.7
		कभी-कभी	47.3
		कभी नहीं	40.0
		कुल	100.0
	लड़कियाँ	हमेशा	13.3
		कभी-कभी	50.0
		कभी नहीं	36.7
		कुल	100.0

उपरोक्त तालिका से पता चलता है कि **66** प्रतिशत लड़के और **43** प्रतिशत लड़कियों ने एकल संतान की स्थिति को कभी भी विशेषाधिकार नहीं माना। इसके अलावा, **40** फीसदी लड़कों और **37** फीसदी लड़कियों ने कभी भी एकल बच्चे की स्थिति को नुकसान नहीं माना। लेकिन उनमें से कई लड़कों में हमेशा **(13%)** या कभी-कभी **(47%)** कमी की यह भावना थी और लड़कियों ने भी इसी तरह का पैटर्न दिखाया **(13%** हमेशा के लिए और **50%** कभी-कभी**)**। कुल **72** प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भाई-बहन की वांछनीयता के बारे में हमेशा या कभी-कभी सोचा था

तालिका 7: अन्य सदस्यों के साथ अंतरंगता

लिंग	अन्य सदस्य के साथ अंतरंगता	प्रतिशत
लड़के	हाँ	65.5
	नहीं	34.5
	कुल	100.0
लड़कियाँ	हाँ	55.0
	नहीं	45.0
	कुल	100.0

तालिका से पता चलता है कि कुल 60 % उत्तरदाताओं (66% लड़के और 55% लड़कियां) के माता -पिता के अलावा अन्य सदस्यों के साथ अंतरंगता थी। इनमें से ज्यादातर लोग दादी , मौसी या चचेरे भाई जैसे करीबी रिश्तेदार थे।

www.ignited.in

निष्कर्ष

परिवार के निर्माणात्मक प्रभाव के कारण परिवार के भीतर किशोरों की अंतःक्रियात्मक गतिशीलता और व्यवहार पैटर्न को विशेष महत्व मिला है। हालाँकि , किशोरावस्था अलग-अलग प्रभावों की अवधि है। यह किशोरावस्था के दौरान होता है कि एक व्यक्ति को बाहरी दुनिया के लिए काफी एक्सपोजर मिलता है।

संदर्भ

1. डियाज़मोरालेस-, जे.एफ., एस्क्रिबानो, सी।, जानकोव्स्की, के.एस., वोल्मर, सी।, और रैंडलर , सी।)2014)। शाम के किशोर पारिवारिक संबंधों : और यौवन विकास की भूमिका। किशोरावस्था का जर्नल, 37(4), 425-432।
2. खान, एस) .2014)। दुर्ग जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की सामाजिक परिपक्वता और आत्मविश्वास पर अभिभावक बाल संबंधों के प्रभाव- का अध्ययन। पीएच.डी. थीसिस, पं रविशंकर . शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर।
3. कुमार, डी.एम.एस., और राज, एस) .जे.एम.2016)। किशोर छात्रों की सामाजिक क्षमता पर लगाव शैलियों का प्रभाव। अर्थ जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 15(1), पीपी .1-15.
4. कुमार, एस., और मलिक , आई) .2014)। भावी शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में भावनात्मक योग्यता का अध्ययन। एक्सीलेंस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च , 2(6), पीपी .961-965।
5. कुमारी, ए., सिन्हा, आर., मेहरा, एम., और मिश्रा, ए) .के.2019)। भाई बहनों की संख्या के साथ- :किशोर व्यक्तित्व में अंतर का विश्लेषण जीबीपीयूएटी, उत्तराखंड, भारत के परिवारों के चार सामाजिक वर्गों में। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, 9(1), 17-20.
6. लैम, सीबी, मैकहेल, एसएम, और क्राउटर , एसी)2012)। माता पिता-बच्चे ने मध्य बचपन से देर- :से किशोरावस्था तक साझा किया समय विकासात्मक पाठ्यक्रम और समायोजन सहसंबद्ध है। बाल विकास , 83(6), पीपी .2089-2103। डीओआई :10.111/जे.1467-8624.2012.01826.x।
7. लीला, एम।, ग्रासिया, एफ।, और ग्रेसिया , ई।)2007)। कोलंबिया में कथित पैतृक और मातृ स्वीकृति और बच्चों के परिणाम। सामाजिक व्यवहार और व्यक्तित्व, 35(1), पीपी .115-124.
8. लोपेज़ टर्ली , डेसमंड, एम।, और ब्रुच , एस .के.)2010)। सकारात्मक माता पिता-बच्चे के संबंध के- अप्रत्याशित शैक्षिक परिणाम। जर्नल ऑफ़ मैरिज एंड फ़ैमिली, 72(5), पीपी .1377-1390।
9. पलित, एस., और नियोगी , एस) .2015)। कोलकाता के किशोरों के करियर की परिपक्वता पर माता पिता के रिश्ते का प्रभाव। इंटरनेशनल-एजुकेशनल साइंटिफिक रिसर्च जर्नल, 1(2), पीपी 51-54।
10. राम, जी.के., जसोरिया, ए., सिंह, एस., और गौतम, के) .2015)। किशोरों में नियंत्रण के स्थान के पूर्वसूचक के रूप में माता पिता-बाल- संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोसोशल साइंसेज, 4(2), पीपी.34-36।
11. शर्मा, के., और दुबे, एस) .2015)। जयपुर शहर, राजस्थान में किशोरियों के माता-पिता के(भारत) रिश्ते की जांच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 2(10), पीपी .225-226।

Corresponding Author

Rajesh Kumar Yadav*

Research Scholar, OPJS University

www.ignited.in